शासकीय डॉ० वा० वा० पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय
जेल रोड, केन्द्रीय विद्यालय के पास, दुर्ग (छ.ग.)

रेडक्रॉस

डॉ. रेशमा लाकेश
प्रभारी, यूथ रेडक्रॉस एवं
मेडिकल सेन्टर

डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी
प्राचार्य
शासकीय डॉ0 वा0 वा0 पाटणकर कन्या
स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग

मेडिकल सेंटर उद्घाटित

दिनांक : 11.10.2017

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग में छात्राओं को एक सौगात के रूप में मेडिकल सेन्टर की उपलब्धि जुड़ी।

महाविद्यालय में स्थायी रूप से मेडिकल सेंटर प्रारंभ किया गया है जिसमें प्रति सप्ताह चिकित्सक अपनी सेवा एवं परामर्श देगें। सेंटर में स्त्री रोग विशेषज्ञ विशेष रूप से उपस्थित रहा करेगी।

सेंटर का उद्घाटन दवा व्यवसायी श्री सुधीर अग्रवाल एवं डॉ. एम.एल. अग्रवाल के करकमलों से आज सम्पन्न हुआ। महाविद्यालय की यूथ रेडक्रॉस सोसायटी की छात्राएँ इस सेंटर का संचालन करेगीं।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने बताया कि छात्राओं का नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण हो तथा काउंसिलिंग की जावे इसकी व्यवस्था की गई है। समस्त छात्राओं का हेल्थ कार्ड उपलब्ध कराया जा रहा है जिसमें उनका पूरा स्वास्थ्य विवरण अंकित होगा तथा चिकित्सीय परामर्श मिलता रहेगा।

महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डी.सी. अग्रवाल ने बताया कि दवा व्यवसायीयों एवं चिकित्सकों के सहयोग से हमने यह सेंटर प्रारंभ किया है जिससे हमारी छात्राओं को उचित मार्गदर्शन मिलेगा।

मेडिकल सेंटर प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने जानकारी दी की सेंटर द्वारा विभिन्न विषयों पर चिकित्सकों के व्याख्यान भी आयोजित किए जावेगें तथा शिविर के माध्यम से रक्त एवं सिकल सेल परीक्षण, दंत परीक्षण, नेत्र परीक्षण के आयोजन भी होगें।

उन्होनें बताया कि यूथ रेडक्रॉस की टीम की छात्राओं के लिए प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण दिया जा रहा है जिससे वे अन्य छात्राओं को इसके लिए प्रशिक्षित कर सकेगी।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी, छात्राएँ उपस्थित थी। छात्रसंघ अध्यक्ष कु. सुमन कुशवाहा ने आभार व्यक्त किया।

शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

छात्राओं का ''दंत परीक्षण शिविर'' लगाया गया

दिनांक : 30.10.2017

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग में मेडिकल सेंटर एवं यूथ रेडक्रॉस सोसायटी के तत्वाधान में दंत चिकित्सा परीक्षण शिविर लगाया गया। स्थानीय रूंगटा दंत चिकित्सा महाविद्यालय के सौजन्य से डॉक्टरों की टीम ने छात्राओं का दंत परीक्षण किया गया तथा उपचार किया गया। डॉ. राम तिवारी की पूरी टीम लगातार छात्राओं की दंत चिकित्सीय परीक्षण में मुस्तैदी से जुटी रही। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने शिविर का शुभारंभ करते हुए कहा कि महाविद्यालय में स्थापित मेडिकल सेंटर को शहर के चिकित्सकों का भरपूर सहयोग प्राप्त हो रहा है हम नियमित रूप से विभिन्न विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता सुनिश्चित कराएगें साथ ही विशेषज्ञों के व्याख्यान एवं जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए जावेगें जिससे महाविद्यालय की 2600 छात्राओं को इसका लाभ मिल सके।

मेडिकल सेंटर प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने जानकारी दी की शिविर में छात्राओं को दंत परीक्षण के साथ उपचार भी मोबाईल वैन में उपलब्ध उपकरणों के द्वारा किया गया। छात्राओं के लिए शीघ्र रक्त परीक्षण एवं सिकल सेल परीक्षण शिविर भी लगाया जा रहा है। महाविद्यालय की सभी छात्राओं का हेल्थकार्ड भी बनाया गया है। इस अवसर पर महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डी.सी. अग्रवाल ने शिविर व्यवस्था के लिए मार्गदर्शन दिया। यूथ रेडक्रास की स्वयं सेवकों ने रूंगटा कॉलेज के चिकित्सकों डॉ0 रामकृष्ण, डॉ0 हीना साहनी, डॉ0 बाला सुब्रमण्यम, डॉ0 अभिवनव पटेल के साथ लगातार सक्रिय रही। शिविर में महाविद्यालय के प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों का भी उपचार किया गया।

शिविर में रूंगटा दंत चिकित्सा महाविद्यालय के तकनीकी स्टॉफ के साथ व्याख्यातागण भी उपस्थित रहे। विशेषज्ञों ने छात्राओं का दन्त परीक्षण, उपचार के साथ ही कांऊसिंलिंग भी की। इस अवसर पर महाविद्यालय की छात्रायें बड़ी संख्या में दन्त परीक्षण के लिए उपस्थित थी। मेडिकल सेन्टर प्रभारी डॉ0 रेशमा लाकेश ने शिविर की सफलता के लिये चिकित्सकों, स्वयं सेवकों एवं कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया।

शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

छात्राओं का ''दंत परीक्षण शिविर'' लगाया गया

दिनांक : 30.10.2017

"विश्व मधुमेह दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम"
प्रदर्शनी के माध्यम से बताया बचाव का तरीका

दिनांक : 14.11.2017

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग में विश्व मधुमेह दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। महाविद्यालय के गृहविज्ञान विभाग एवं यूथरेडक्रॉस सोसायटी के तत्वाधान में पोस्टर प्रदर्शनी एवं आहार प्रदर्शनी लगाई गयी जिसका उद्घाटन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने किया।

पोस्टर प्रदर्शनी में मधुमेह के विषय में उसके लक्षण, टाईप–1 एवं टाईप–2 मधुमेह के विषय में तथा बचाव के लिए किए जाने वाले प्रयासों का सचित्र प्रदर्शन पोस्टर के माध्यम से किया गया था। यूथ रेडक्रॉस एवं गृहविज्ञान की छात्राओं ने महाविद्यालय के शिक्षकों, कर्मचारियों एवं छात्राओं को मधुमेह संबंधी जानकारी दी तथा बचाव के तरीके भी बताये।

महाविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग द्वारा इस अवसर मधुमेह से बचाव के लिए आवश्यक आहार की प्रदर्शनी लगाई गई। जिसमें सलाद–सूप, लो कैलेरी आहार प्रदर्शित किए गए। छात्राओं द्वारा डाईट चार्ट के माध्यम से आहार संबंधी जानकारी दी गयी।

गृहविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. अमिता सहगल ने पोषण आहार पर सारगर्भित जानकारी दी तथा बतया कि उचित आहार से हम मधुमेह को नियंत्रित कर सकते है।

यूथ रेडक्रॉस की प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि मधुमेह के प्रति जागरूकता ही इसका बचाव है। यूथ रेडक्रॉस की छात्राएँ सिर्फ पोस्टर प्रदर्शनी के माध्यम से ही नहीं बल्कि रैली एवं सर्वेक्षण के जरिए भी इस दिशा में कार्य कर रही है। गृहविज्ञान एवं रेडक्रॉस की छात्राओं के साथ ही छात्रसंघ अध्यक्ष कु. सुमन कुशवाहा तथा जेण्डर चैम्पियन कु. रूचि शर्मा ने आयोजन में सक्रिय भागीदारी दी।

छात्राओं के इस उल्लेखनीय प्रयास के लिए महाविद्यालय के प्राचार्य एवं वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डी.सी.अग्रवाल तथा शिक्षकों ने बधाई दी।

शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

''विश्व मधुमेह दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम''
प्रदर्शनी के माध्यम से बताया बचाव का तरीका

दिनांक : 14.11.2017

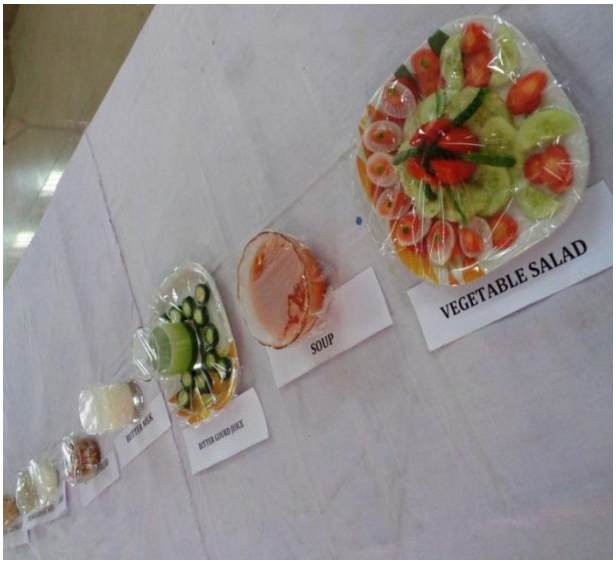

''मेडिकल सेंटर में स्वास्थ्य परीक्षण कैंप

दिनांक : 25.11.2017

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग में संचालित मेडिकल सेंटर में ''स्वास्थ्य' जागरूकता एवं परीक्षण अभियान के अंतर्गत कैंप लगाया गया। जिसमें सुप्रसिद्ध स्त्रीरोग विशेषज्ञ डॉ. संध्या नागरिया ने छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया एवं चिकित्सीय परामर्श दिया।

मेडिकल सेंटर प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने जानकारी देते हुए बताया कि महाविद्यालय में स्वास्थ्य जागरूकता अभियान के तहत यह चौथा कैंप था जिसमें स्त्रीरोग से संबंधित परामर्श एवं जांच के लिए स्त्रीरोग विशेषज्ञ डॉ. संध्या नागरिया उपस्थित थी। 60 छात्राओं को चिकित्सीय परामर्श दिया गया। 37 छात्राओं को निम्न रक्तचाप से संबंधित सलाह दी गयी।

यूथरेडक्रास के स्वयं सेवकों ने कैंप की व्यवस्था का संचालन किया। मेडिकल सेंटर में चिकित्सीय जांच के अलावा औषधियाँ भी उपलब्ध है। डॉ. रेशमा ने बताया कि शीघ्र ही नेत्र परीक्षण शिविर भी लगाया जावेगा। इस कैंप में श्रीमती दामिनी साहू चिकित्सा सहायक का सक्रिय योगदान रहा।

शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

एड्स दिवस पर रैली और प्रदर्शनी आयोजित

दिनांक : 01.12.2017

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग में विश्व एड्स दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा रैली का आयोजन किया गया। रैली को प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने महाविद्यालय परिसर से रवाना किया।

एड्स से संबंधित सुरक्षा व बचाव के नारे के साथ रैली ने जेल रोड से समीपस्थ इलाकों का भ्रमण किया। रा.से.यो. अधिकारी डॉ. सीमा अग्रवाल एवं डॉ. मुक्ता बाखला के निर्देशन पर छात्राओं ने स्लोगन बनाये और जागरूकता अभियान चलाया।

यथरेडक्रास सोसायटी के द्वारा पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता रखी गयी जिसकी प्रदर्शनी लगाई गयी। यूथ रेडक्रास के स्वयं सेवकों ने प्रदर्शनी में एड्स से बचाव के विभिन्न सुरक्षात्मक उपायों पर केन्द्रित पोस्टर की जानकारी सभी को दी।

जागरूकता अभियान के अन्तर्गत यूथ रेडक्रॉस की छात्राओं ने जानकारी दी की रक्त परीक्षण के समय हमेशा डिस्पोजेबल सिरिंज का ही उपयोग किया जावे तथा इस रोग से संबंधित जानकारी रखना तथा सुरक्षा ही बचाव है।

यथूरेडक्रॉस प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश तथा रा.से.यो. प्रभारी डॉ. सीमा अग्रवाल ने जानकारी दी की शीघ्र ही महाविद्यालय में रक्त परीक्षण शिविर का आयोजन किया जावेगा तथा सभी छात्राओं को मेडिकल हेल्थ कार्ड उपलब्ध करा दिया गया है। जिसमें रक्त समूह के साथ स्वास्थ्य संबंधी जानकारी दी गयी है।

मेडिकल सेंटर में स्वास्थ्य परीक्षण

दिनांक : 21.12.2017

शा. डॉ. वा. वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में मेडिकल सेन्टर में प्रति सप्ताह नगर के विशेषज्ञ चिकित्सक अपनी सेवाएं दे रहे है। इस सप्ताह डॉ. जय तिवारी (एम.डी.) ने छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया तथा चिकित्सीय परामर्श दिया।

मेडिकल सेंटर प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि छात्राओं को विभिन्न स्वास्थ्य जागरूकता की जानकारी के साथ ही चिकित्सीय परामर्श भी सेंटर द्वारा उपलब्ध कराया जा रहा है। जिसका अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। छात्राओं के हेल्थ कार्ड में उनके स्वास्थ्य संबंधी जानकारी वजन, ऊँचाई, रक्तसमूह, रक्तचाप की जानकारी तो होती ही है साथ ही चिकित्सीय परामर्श का भी उल्लेख रहता है।

डॉ. जय तिवारी ने लगभग 50 छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया तथा सलाह दी।

शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

रेडरिबन क्लब का आयोजन

एचआईवी संक्रमित को सौहार्द्र एवं प्रेम की जरूरत

दिनांक : 22.02.2018

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में छत्तीसगढ़ राज्य एड्स नियंत्रण समिति के तत्वाधान में 'रेड रिबन क्लब इकाई द्वारा एच.आई.वी. एड्स जागरूकता, के अन्तर्गत विभिन्न प्रतियोगिताएँ आयोजित की गयी। प्रभारी प्राध्यापक डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि ''एच.आई.वी. संक्रमण से बचाव' विषय पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गयी। जिसमें छात्राओं ने एच.आई.वी. संक्रमण की जैविक क्रियाओं तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट की सविस्तार चर्चा करते हुए बताया कि सुरक्षा ही उसका प्रमुख बचाव का साधन है।

शिक्षको, छात्राओं को संबोधित करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने जो मृत्यु के आंकड़े दिए है वे चिंतनीय है। एच.आई.वी. संक्रमण हमारे शरीर के सुरक्षातंत्र को खत्म कर देता है जिससे हमारा शरीर छोटी–छोटी बिमारियों से भी नहीं लड़ सकता। उन्होनें कहा कि एच.आई.वी. संक्रमण कोई छूत की बिमारी नहीं इससे संक्रमित व्यक्ति को अच्छे वातावरण एवं प्रेम की आवश्यकता है।

भाषण प्रतियोगिता में कु. रूचि शर्मा, कु. सबा मरियम, कु. काजल यादव एवं कु. मधु सिंह को पुरस्कृत किया गया। क्लब द्वारा आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में कु. शगुप्ता परवीन, कु. शिवानी वर्मन, कु. रीना प्रसाद को पुरस्कार दिया गया।

एच.आई.वी. संक्रमण एवं एड्स जागरूता पर आयोजित निबंध प्रतियोगिता में कु. लकेश्वरी बंजारे, कु. एश्वर्या श्रीवास्तव एवं कु. वेदिका देवांगन को पुरस्कार दिया गया।

महाविद्यालय की यूथ रेडक्रास इकाई तथा रेड रिबन क्लब के द्वारा वर्ष भर जागरूकता कार्यक्रम ग्रामीण क्षेत्रों में भी आयोजित किए जाते है। रैली, पोस्टर और जनसंपर्क कर छात्राएँ सक्रिय भागीदारी कर रही है। इस अवसर पर प्राध्यापकगण एवं छात्रायें बड़ी संख्या में उपस्थित थी।

रेडरिबन क्लब का आयोजन
एचआईवी संक्रमित को सौहार्द्र एवं प्रेम की जरूरत

दिनांक : 22.02.2018

''तनाव मुक्ति पर कार्यशाला''
ध्यान एक साधना है : डॉ. देशमुख

दिनांक : 01.07.2019

शासकीय डॉ. वा. वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग की यूथरेडक्रॉस इकाई के तत्वाधान पर ''तनाव मुक्ति पर एक सप्ताह की कार्यशाला प्रारंभ हुई।

महाविद्यालय के शिक्षकों, कर्मचारियों के लिए विशेष रूप से आयोजित इस कार्यशाला में सेल्फ मेडिटेशन, रेलेक्सेशन तथा जाब बर्न आउट पर फोकस किया जावेगा।

कार्यशाला प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि इस भागदौड़ की जिंदगी में बहुत से तनावों का हम सामना करते है। छोटी–छोटी मात्रा में इनसे लाभ होता है क्रियाशीलता बढ़ती है तो जब इसका आधिक्य हो जाए तो यह गंभीर रूप ले लेता है। कार्यस्थल का तनाव हमारी क्षमता और क्रियाशीलता को प्रभावित कर देता है।

सात दिवसीय इस कार्यशाला में विशेषज्ञ महत्वपूर्ण जानकारी के साथ इससे बचने के उपाय भी बताएगें।

साईंस कॉलेज के डॉ. एस.डी. देशमुख ''ध्यान के महत्व'' पर प्रकाश डालेंगे तो योगाश्रम सेक्टर–10 की श्रीमती सीमा लांबा रेलेक्सेशन पर अभ्यास सहित जानकारी देंगी। मनोविशेषज्ञ डॉ. शमा हमदानी भी तनाव से मुक्ति के उपाय एवं स्वस्थ्य जीवन पर प्रशिक्षण देंगी।

कार्यशाला का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने किया। शुभारंभ अवसर पर उन्होनें कहा कि तनाव मुक्त जीवन हर कोई जीना चाहता है पर यह तनाव हम पर आता कैसे है और हमे उस पर कितनी प्रतिक्रिया करते है यह महत्वपूर्ण है। ध्यान, योग और विश्राम के सहारे हम तनाव से निजात पा सकते है जो कि हमारी क्रियाशीलता के लिए आवश्यक भी है।

ध्यान पर अपने विशेष व्याख्यान में डॉ. एस.डी. देशमुख ने बताया कि ध्यान एक साधना है यदि हम पांच मिनट भी इस पर देते है तो हमें काफी लाभ मिलेगा।

विषय–विशेषज्ञ अजित कुमार सिंह ने बताया कि पहले हमें यह जानना जरूरी है तनाव का मूल कारण क्या है। हमारे मस्तिष्क में एक साथ बहुत से विचार चलते रहते है। एक दिन में लगभग 60 हजार से अधिक विचारों से हम जूझते है। हमारा मस्तिष्क लगातार इस उधेड़बून में सक्रिय रहता है जिसे विश्राम की आवश्यकता होती है। हम ध्यान, योग और विश्राम से तनावमुक्त हो सकते है।

योग प्रशिक्षक डॉ. दिपाली ने भी इस अवसर पर योग साधना के महत्वपूर्ण टिप्स दिये। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रेशमा लाकेश ने किया। इस अवसर पर प्राध्यापक, कर्मचारी एवं छात्राएँ उपस्थित थी।

शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

''तनाव मुक्ति पर कार्यशाला''

ध्यान एक साधना है : डॉ. देशमुख

दिनांक : 01.07.2019

महाविद्यालय में यूथ रेडक्रॉस के तत्वाधान में
विश्व रःजोनिवृत्ति दिवस

दिनांक : 18.10.2019

शास. डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में यूथ रेडक्रॉस के तत्वाधान में विश्व रःजोनिवृत्ति दिवस के अवसर पर छात्राओं को स्त्री की शारीरिक संरचना एवं समयानुसार होने वाले परिवर्तनों से संबंधित जानकारी प्रदान की गई। यूथ रेडक्रॉस प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि रःजोनिवृत्ति की जीवन में होने वाली एक प्राकृतिक व आवश्यक प्रक्रिया के रूप में देखे जो जीवन के एक निश्चित समय में सीमति अवधि के रूप में चलती है। यह कोई बीमारी नहीं है क्योंकि इस समय उत्पन्न होने वाले सभी लक्षण अस्थाई होते है।

डॉ. मीनाक्षी अग्रवाल ने इस समय होने वाले शारीरिक परिवर्तनों और होने वाले प्रभाव से बचाव के लिए उचित पोषण एवं आहार की विस्तृत जानकारी दी तथ बताया कि व्यायाम एवं योग के द्वारा भी इस दौरान होने वाली समस्याओं का निराकरण संभव है। रःजोनिवृत्ति से उत्पन्न समस्याओं का एक विशेष निराकरण परामर्श है, जीवन के मध्य भाग में होने वाले इस उतार चढ़ाव में परामर्श का महत्व और अधिक हो जाता है। डॉ. ज्योति भरणे ने बताया कि स्त्रियों के व्यक्तिगत अनुभव व रःजोनिवृत्ति के समय धारित पारिवारिक सामाजिक परिस्थितियों का विशेष प्रभाव कई स्त्रियों में देखा जाता है या ऐसे परिवर्तन जो जीवन के इस सोपान पर स्त्रियों को देखना पड़ता है अथवा सामना करना पड़ता हैं उसका संभावित प्रभाव रःजोनिवृत्ति पर पड़ता है।

शोध छात्रा कु. नम्रता देवांगन ने मासिक धर्म में होने वाले हारमोनल, शारीरिक, मानसिक एवं समाजिक प्रभाव को बताया। समस्त छात्राओं ने अपनी जिज्ञासा एवं शंकाओं का परामर्श एवं समाधन प्राप्त किया। महाविद्यालय में समय–समय पर छात्राओं को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्रदान की जाती है।

शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

महाविद्यालय में यूथ रेडक्रॉस के तत्वाधान में
विश्व रःजोनिवृत्ति दिवस

दिनांक : 18.10.2019

शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

गर्ल्स कॉलेज की यूथरेडक्रॉस की छात्राओं ने ''दादी–नानी संग दिन गुजारा''

दिनांक : 24.10.2019

शास. डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय की यूथरेडक्रॉस की छात्राओं ने दादी–नानी संग दिन गुजारा, उन्होनें सिर्फ न बातचीत की बल्कि गीत–संगीत एवं नृत्य भी किया।

नानी श्रीमती माधुरी विश्वास ने छात्राओं को पढ़ाई, कॅरियर को प्रथम प्राथमिकता देने की समझाईश दी। सभी बुजुर्गों ने अपने जीवन के मधुर एवं कटु अनुभव सांझा किये। यूथ रेडक्रॉस प्रभारी डॉ. रेश्मा लाकेश ने बताया कि महाविद्यालय विगत कई वर्षों से पुलगांव स्थित वृद्धाश्रम से जुड़ा है और छात्रायें नियमित रूप से यहां आकर जन्मदिन एवं विभिन्न त्यौहार मनाती है। उन्होनें कहा कि मानव जीवन, विकास की एक सतत् एवं स्वभाविक प्रक्रिया है, जिसकी लम्बी श्रृंखला माता के गर्भ से प्रारंभ होकर वृद्धावस्था को पार करती हुई मृत्यु को प्राप्त करती है। इसमें वृद्धावस्था जीवन का आखरी एवं अंतिम पड़ाव है। परम्परागत सामाजिक व्यवस्था में वृद्धजनों को आदर एवं सम्मान की दृष्टि से देखा जाता था, परन्तु वर्तमान में बदलती सामाजिक एवं पारिवारिक दशा के कारण अनेक समस्याओं ने जन्म लिया है।

डॉ. मीनाक्षी अग्रवाल ने जानकारी दी कि वृद्धजनों की समस्याओं को देखते हुए बालकों तथा महिलाओं की तरह ही, इन्हें भी समाज की कमजोर कड़ी के रूप में प्रत्येक देश में मान्यता प्राप्त हो चुकी है, साथ ही वृद्धावस्था में अनेक समस्यायें संतान के साथ संबंध में तनाव, एकाकीपन, मान–सम्मान एवं सामाजिक प्रतिष्ठा में कमी, आय का कम हो जाना, सक्रिय सेवा से सेवानिवृत्ति, अधिकारों में कमी, खाली समय की उपयोग की समस्या, स्वास्थ्य संबंधी समस्या, क्रियाशीलता में कमी, मानसिक शक्ति क्षीण होना, मानसिक तनाव, अनिद्रा आदि।

डॉ. अल्का दुग्गल ने इन समस्याओं का समाधान बताया कि इस अवस्था में सामाजिक सुरक्षा, पेंशन व्यवस्था, वृद्धाश्रम की स्थापना, चिकित्सा सेवा, मनोरंजन, उचित सम्मान एवं सुखद पारिवारिक वातावरण आदि है।

यूथरेडक्रॉस वालेन्टियर – एकता, ऊषा, सिमरन, पायल साहू, ज्योति यादव, सीमा यादव, आरती, विनु सेन, यामिनी, चित्रलेखा ने अपनी सहभागिता की।

शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

गर्ल्स कॉलेज की यूथरेडक्रॉस की छात्राओं ने ''दादी–नानी संग दिन गुजारा''

दिनांक : 24.10.2019

शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

ब्रेस्ट कैन्सर अवेरनस कैम्पेन

दिनांक : 30.10.2019

शास. डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय की यूथ रेडक्रॉस इकाई द्वारा ब्रेस्ट कैन्सर अवेरनस कैम्पेन चलाया गया जिसमें रेडक्रॉस प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि शरीर के किसी अंग में होने वाली कोशिकाओं की अनियंत्रित वृद्धि कैन्सर का प्रमुख कारण होती है। शरीर में आवश्यकतानुसार यह कोशिकायें बट जाती हैं, लेकिन जब यह लगातार वृद्धि करती है तो कैन्सर का रूप ले लेती है। इस प्रकार स्तन कोशिकाओं में होने वाली अनियंत्रित वृद्धि स्तन कैन्सर का प्रमुख कारण है। कोशिकाओं में होने वाली लगातार वृद्धि एकत्र होकर गांठ का रूप ले लेती है, जिसे कैन्सर ट्यूमर कहते है। ऐसी सम्भावना व्यक्त की जा रही है कि आने वाले समय में यह रोग हमारे देश में महामारी का रूप ले लेगा, परन्तु शाकाहारी, रेशेदार खान–पान फल सब्जियाँ, व्यायाम एवं तेल युक्त मसालेदार भोजन, धुम्रपान, अतिरिक्त नमक, अधिक कैलोरी से परहेज इस रोग से बचाव में सहायक होते है।

स्तन कैन्सर होने पर पहले या दूसरे चरण में ही इसका पता चल जाने से सही समय पर इसका इलाज सम्भव है, लेकिन इसका पता चल जाना भी जागरूकता पर निर्भर है, इसी उद्देश्य से महाविद्यालयीन छात्राओं के लिये जागरूकता अभियान चलाया गया। जिसमें स्तन कैन्सर से संबंधित समस्त जानकारियाँ जैस– लक्षण, बचाव आदि बताये गये।

उन्होनें जानकारी दी कि अक्टूबर को पिंकटोबर यानी गुलाबी अक्टूबर भी कहा जाता है क्योंकि यह माह दुनियाभर में ब्रेस्ट कैन्सर के प्रति जागरूकता फैलाने के लिये समर्पित है। रेडक्रॉस वालेन्टियर सोनम सेन ने कहा कि कैन्सर के बारे में बहुत बड़ी समस्या यह है कि ज्यादातर लोगों को लगता है, यह बिमारी हमें नहीं हो सकती है। कु. सौम्या साहू ने बताया कि ब्रेस्ट कैन्सर के अधिकतर प्रकरणों में अनुवांशिकता, जीन, एन्वायरमेन्ट और लाइफस्टाईल प्रमुख कारक है। शिखा शर्मा के अनुसार हर महिला स्वयं परीक्षण कर इस रोग का पता लगा सकती है, इसके पहचान के बारे में लोग जागरूक हो, अपनी जांच नियमित समय पर खुद करें तो मशीन जांचो से पहले ही बिमारी के होने की जानकारी प्राप्त हो सकती है।

मानसी सेन ने बताया कि लोगों को गलत धारणा भी है कि यह छूत की बिमारी है जो कि खून, चोंट आदि से हो सकती है, अपितु सत्य यह है कि यह शरीर में अपने आप होने वाला रोग है जो कि बीस साल के बाद की किसी भी महिला को हो सकता है। दिव्या ने बताया कि खानपान और लाईफस्टाईल में सुधारकर इसके आशंका को कम किया जा सकता है, इस कैन्सर के सफल इलाज का एकमात्र सूत्र है जल्द पहचान अर्थात् जितनी शुरूआती अवस्था में कैन्सर की पहचान होगी उतना ही सरल, सस्ता, छोटा और सफल होगा।

शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

प्री–मैराइटल काउन्सलिंग फॉर गर्ल्स

दिनांक : 05.11.2019

शास. डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में यूथ रेडक्रॉस इकाई के तत्वाधान से प्री–मैराइटल काउन्सलिंग फॉर गर्ल्स का आयोजन किया गया।

संयोजक एवं यूथ रेडक्रॉस प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि काउन्सलिंग के माध्यम से युवा छात्राओं को विवाह के पूर्व काउन्सलिंग कर सशक्त व स्वस्थ रिश्तों को आरम्भ कर स्थायी एवं संतुष्ट वैवाहिक जीवन प्रदान किया जाता है। इसके द्वारा स्वयं के कमजोर पक्षों का भी ज्ञान होता है, जो कि विवाह के बाद प्रायः समस्या उत्पन्न कर विवाह विच्छेद जैसे कारणों को जन्म देता है। वर्तमान में युवा पीढ़ी कॅरियर को प्रथम प्राथमिकता दे रही है परन्तु विवाह भी महत्वपूर्ण एवं समाजिक आवश्यकता है। अतः छात्राओं को अपने वैवाहिक जीवन में सामंजस्य स्थापित कर सफलता अर्जित करने हेतु यह आयोजन किया गया है।

डॉ. अल्का दुग्गल ने बताया कि प्री–मराइटल काउन्सलिंग में विभिन्न पक्षों जैसे– आर्थिक, मूल्यों, निर्णय, समय, आपसी सम्बन्धों, अपेक्षाओं आदि पर बात कर सकते है।

एक्सपर्ट एवं काउन्सलर डॉ. शमा हमदानी ने पूर्व विवाह परामर्श के महत्व को बताया कि किस तरह संवाद के माध्यम से वास्तविकता और अपेक्षाओं को मूर्त रूप दिया जा सकता है क्योंकि हर परिवार में कुछ न कुछ असमानताएं होती है जिस परिवार से हमारा सम्बन्ध होता है उसी के अनुसार अपने आपको ढालना चाहिये क्योंकि जितनी जल्दी सामंजस्य स्थापित होगा उतना ही सफल पारिवारिक जीवन होगा।

छात्राओं ने अपने विचार एवं प्रश्न रखें जैस– कु. सिमरन सिंह ने जानना चाहा कि विवाह की आवश्यकता और वधू से ही सारी अपेक्षाएं क्यों होती है? पायल साहू को वधू के वर के घर जाने पर आपत्ति थी? वर्षा ने विवाह हेतु क्या–क्या तैयारी करने के बारे में जानकारी चाही। कु. एकता कौमार्य ने पूछा कॅरियर एवं घर–परिवार के साथ कैसे सामंजस्य स्थापित करें? आदि अनेक गंभीर प्रश्न एवं जिज्ञासायें सामने आयी।

डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र के मार्गदर्शन में लगातार छात्राहित में ऐसे आयोजन किये जाते है जिसमें रेगुलर कोर्स के साथ–साथ छात्राओं के लिये काउन्सलिंग की जाती है जिससे वे भविष्य में अपने दायित्वों एवं कर्त्तव्यों का उचित निर्वाह कर श्रेष्ठ नागरिक सिद्ध हो सके।

शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

प्री–मैराइटल काउन्सलिंग फॉर गर्ल्स

दिनांक : 05.11.2019

शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

विश्व मधुमेह दिवस मनाया गया

हमारी दिनचर्या ही मधुमेह से बचाव का ईलाज है :– डॉ. शिवेन्द्र श्रीवास्तव

दिनांक : 14.11.2019

शास. डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग में यूथ रेडक्रॉस के तत्वाधान में विश्व मधुमेह दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर मधुमेह के संबंध में सारगर्भित जानकारी से अवगत कराने डॉ. शिवेन्द्र बहादुर श्रीवास्तव का व्याख्यान आयोजित किया गया।

यूथ रेडक्रॉस प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि मधुमेह के संबंध में अपना उद्‌बोधन देते हुए डॉ. श्रीवास्तव ने कहा कि भारत में सर्वाधिक मधुमेह के पीड़ित है तथा प्रदेश में दुर्ग–भिलाई में सर्वाधिक मधुमेह के रोगी है। उन्होनें छात्राओं को मधुमेह के लक्षणों तथा उससे प्रभावित होने वाले अंगों के संबंध में वैज्ञानिक तथ्यों सहित महत्वपूर्ण जानकारी दी। शरीर के विभिन्न अंग हार्मोन्स के द्वारा प्रभावित होते है। मधुमेह में भी इसकी अधिकता आँख, किडनी, हृदय को सर्वाधिक प्रभावित करती है। इसके बचाव के लिये हमारी दिनचर्या का नियन्त्रण ही श्रेष्ठकर उपाय है। उन्होनें कहा कि मधुमेह की जानकारी बताते ही हमारे सलाहकारों की संख्या बढ़ जाती है। विभिन्न प्रकार के नुस्खों से हम दिगभ्रमित हो जाते है और बीमारी कम होने की बजाय बढ़ती जाती है। हमारा आलस्य और लापरवाही मधुमेह को जन्म देती है। डॉ. श्रीवास्तव ने कहा कि खाना मना नहीं है बल्कि खाने पर नियंत्रण जरूरी है।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि दिनचर्या के नियंत्रित होने से मधुमेह भी स्वभाविक तौर पर नियंत्रित हो जाता है।

स्पर्श हॉस्पिटल के अधिकारी अभिषेक जैन ने भी हॉस्पिटल में उपलब्ध विभिन्न सुविधाओं एवं योजनाओं की जानकारी दी।

इस अवसर पर छात्राओं ने विभिन्न प्रश्नों के माध्यम से अपनी जिज्ञासाओं को शांत किया। संगोष्ठी का संचालन डॉ. रेशमा लाकेश ने किया।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापक, कर्मचारी एवं छात्रायें बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

विश्व मधुमेह दिवस मनाया गया

हमारी दिनचर्या ही मधुमेह से बचाव का ईलाज है :– डॉ. शिवेन्द्र श्रीवास्तव

दिनांक : 14.11.2019

अवेरनेस कैम्पेन

''रक्तदान–महादान''

दिनांक : 15.11.2019

शास. डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग में रेड रिबन क्लब छत्तीसगढ़ राज्य एड्स नियंत्रण समिति एवं यूथ रेडक्रॉस के संयुक्त तत्वाधान में ''रक्तदान–महादान'' जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विशेषज्ञ श्री सुदीप श्रीवास्तव, प्रमुख सलाहकार, राज्य रेडक्रॉस सोसायटी, रायपुर छत्तीसगढ़, सुश्री नीतू मंडावी, प्रभारी राज्य एड्स कन्ट्रोल रायपुर छत्तीसगढ़ उपस्थित थे। संयोजक एवं यूथ रेडक्रॉस प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि रक्तदान से संबंधित भ्रांतियों को दूर कर इस शुभ दान की ओर प्रेरित करने हेतु, यह आयोजन किया गया है क्योंकि आमतौर पर यह माना जाता है कि रक्तदान से शारीरिक कमजोरी आ जाती है परन्तु कुछ विशेष परिस्थितियों को छोड़ दे तो सभी स्वस्थ व्यक्ति रक्तदान कर सकते है।

कार्यक्रम के मार्गदर्शक महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने अपने संबोधन में कहा कि – रक्तदान ऐसा दान है जो हर कोई कर सकता है परंतु इसके लिए पहले स्वयं का स्वस्थ होना अत्यंत आवश्यक है। रक्तदान से जीवनदान दिया जा सकता है।

रेडक्रॉस वालेन्टियर कु. रानू टिकरिया ने कहा कि रक्तदान से किसी व्यक्ति की जान बच सकती है, युवा पीढ़ी भली–भांति जान ले कि रक्तदान के तुरन्त बाद ही शरीर में बोनमेरू नये टिशू बनाते है अतः जागरूक एवं सशक्त बनकर हमें रक्त दान करना चाहिए।

सुश्री नीतू मण्डावी ने कहा कि – एचआईव्ही फैलने के चार कारणों में से एक प्रमुख इनफेक्टेड ब्लड है साथ ही निडिल, सीरींज, इन्फेक्टेड माँ से बच्चे को एवं असुरक्षित यौन संबंध है।

श्री सुदीप श्रीवास्तव ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि स्वैच्छिक रक्तदान करने के लिए प्रेरित करना चाहिये क्योंकि रक्तदान करने से डर जागरूकता की कमी है। परन्तु रक्तदान करने से पहले जांच होती है ततपश्चात् ही रक्त लिया जाता है। उन्होनें छात्राओं को उत्साहित करते हुए रक्तदान हेतु प्रेरित किया।

श्रीमती ज्योति भरणे ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापक, कर्मचारी एवं छात्रायें बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

अवेरनेस कैम्पेन ''रक्तदान–महादान''

दिनांक : 15.11.2019

शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

''एड्स : सोशल इशुस''

दिनांक : 20.11.2019

रेड रिबन क्लब छत्तीसगढ़ राज्य एड्स नियंत्रण समिति एवं यूथ रेडक्रॉस के संयुक्त तत्वाधान में एड्स जागरूकता अभियान ''एड्स मुक्त विश्व की ओर'' कार्यक्रम के अन्तर्गत ''एड्स : सोशल इशुस'' पर समूह चर्चा का आयोजन किया गया।

प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि एच.आई.व्ही./एड्स विश्व का प्रमुख संक्रामक एवं जानलेवा रोग है, साथ ही यह एक सामाजिक समस्या भी है जो एक महामारी के रूप में लगातार बढ़ता जा रहा है। इस रोग और इसकी रोकथाम के अतिरिक्त इसका दुखदायी पक्ष है कि एड्स पीड़ित को अछुत समझा जाना एवं उससे सामाजिक भेदभाव करना जैसे स्कूल, कॉलेज, नौकरी से बेदखल और अनेक सामाजिक एवं मानसिक प्रताड़ाना देना। इसलिए आवश्यक है कि समाज अपना दृष्टिकोण और मानसिकता बदले ताकि एड्स की रोकथाम में आने वाले सोशल इशुस को समझकर पीड़ितों से सामान्य एवं सहानुभूतिपूर्वक व्यवहार किया जा सके।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने अपने उद्‌बोधन में बताया कि एड्स शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को इतना दुष्प्रभावित कर देता है कि इस गंभीर रोग की रोकथाम या इसका उपचार करना आवश्यक हो जाता है, साथ ही इस रोग को रोकने का एकमात्र उपाय है जागरूकता। दुर्भाग्यवश इस रोग के फैलने के बारे में पर्याप्त जानकारी साझा नहीं होने के कारण, अधिकांश लोग इसके बारे में बात करने में हिचकिचाते है। अतः इसके उपचार में कमी के कारण यह महामारी का रूप धारण कर चुका है। उन्होनें छात्राओं से आव्हान किया कि लोगों को इस रोग की उत्पत्ति एवं प्रसार के बारे में बताएं ताकि इसके दुष्प्रभाव से बचा जा सके।

विषय–विशेषज्ञ डॉ. शमा हमदानी ने एड्स प्रभावित लोगों के साथ भेदभावपूर्ण व्यवहार, समेकित परामर्श एवं परीक्षण केन्द्र, एच.आई.व्ही./एड्स के प्रति भ्रांतियां, यौन संक्रमित रोगों के उपचार, युवाओं के संक्रमित होने की अधिक आशंका, एंटी रेट्रोवायरल थेरेपी एवं रक्त आदान–प्रदान संबंधी सुरक्षा इत्यादि पर विस्तार से चर्चा की।

कु. आरती यादव ने एड्स के प्रसारण के कारण संक्रमित रक्त, निडल, सिंरिज, असुरक्षित यौन संबंध के अतिरिक्त गर्भवती माँ के द्वारा गर्भावस्था के समय, प्रसव के समय या स्तनपान के समय शिशु को संक्रमित कर सकता है।

कु. पायल साहू ने लक्षणों की जानकारी देते हुए बताया कि लगातार वजन में कमी, खांसी, जुकाम, बुखार, सिरदर्द, थकान, शरीर पर फंगल इन्फेक्शन, भोजन से मन हटना, लसीकाओं में सुजन है।

कु. सीमा यादव ने बचाव के तरीके जैसे खून जांच कर ही चढ़ाना, उपयोग की हुई सुईयों एवं सिंरिज का प्रयोग ना करना, नई ब्लेड का प्रयोग एवं सुरक्षित यौन संबंध बताये।

कु. नम्रता देवांगन ने बताया कि भ्रंतियाँ जैसे एड्स पीड़ित के साथ खाने–पीने, उठने–बैठने, हाथ मिलाने, गले मिलने, बर्तन साझा करने, खांसी या छींकों या पशुओं या कीटों के काटने से एड्स नहीं होता है।

छात्राओं ने उक्त चर्चा के बाद एड्स मुक्त विश्व की ओर अपना सहयोग देने का संकल्प लिया।

एड्स जागरूकता अभियान
रैली निकाल कर दिया संदेश बचाव ही उपचार

दिनांक : 29.11.2019

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में रेड रिबन क्लब के द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य एड्स नियंत्रण समिति के तत्वाधान में एड्स जागरूकता अभियान के तहत ''एड्स मुक्त विश्व की ओर'' का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गयी।

यूथ रेडक्रॉस इकाई की प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि विभिन्न आयोजनों में नारा लेखन, भाषण, पोस्टर, निबंध स्पर्धाएं आयोजित की गयी।

एड्स जागरूकता पर बनाये गये पोस्टर की प्रदर्शनी भी आयोजित की गयी जिसमें निर्णायक मंडल ने चार श्रेष्ठ प्रतिभागियों का चयन पुरस्कार हेतु किया गया।

जनजागरूकता अभियान के क्रम में रैली निकाली गयी जो शहर के विभिन्न मार्गों से होती हुई विभिन्न स्लोगन बैनर व पोस्टर तथा नारे के माध्यम से एड्स से बचाव ही उपचार का संदेश दिया।

इस अवसर पर आयोजित भाषण प्रतियोगिता में अपने संबोधन में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि एचआईवी से ग्रसित लोगों की संख्या में काफी वृद्धि हुई है हमारा कर्त्तव्य है कि समाज में जागरूकता फैलाये और इसकी रोकथाम के लिए जानकारी का प्रचार–प्रसार करें जिससे हमारा समाज सुरक्षित एवं संरक्षित हो सकेगा। उन्होनें कहा कि एड्स वर्तमान युग की सबसे बड़ी स्वास्थ्य समस्याओं में से एक है। यह अभियान एड्स की रोकथाम, उपचार और देखभाल को बढ़ावा देता है।

बी.एससी. प्रथम वर्ष की कु. प्रगति राजपूत ने छत्तीसगढ़ी भाषा में अपना वक्तव्य दिया और प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

इस अवसर पर रेड रिबन प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने कहा कि एड्स छूने, हाथ मिलाने और बातचीत करने से नहीं फैलता बल्कि इसके लिए बचाव व संयम ही सुरक्षित उपचार है। संक्रमित खून और असुरक्षित यौन संबंध एच.आईव्ही. संक्रमण का प्रमुख कारण है।

इस अवसर पर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विद्यार्थियों को रेड रिबन क्लब की ओर से पुरस्कृत किया गया।

छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक का भी आयोजन किया जिसका प्रदर्शन विभिन्न इलाकों में किया गया जिसमें संदेश दिया गया कि जिम्मेदार नागरिक की तरह हम एड्स मुक्त समाज के लिए जागरूकता फैलाए।

इस अभियान में यूथरेडक्रॉस, ग्रीन आर्मी तथा एक्वा क्लब की छात्राओं के साथ राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयं सेवकों ने सक्रिय भागीदारी की।

शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

एड्स जागरूकता सप्ताह

रैली निकाल कर दिया संदेश बचाव ही उपचार

दिनांक : 29.11.2019

शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

विश्व दिव्यांग दिवस पर किया सम्मान

दिनांक : 03.12.2019

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में इस दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि यह दिवस पूर्ण सहभागिता और समानता को प्रदर्शित करता है। दिव्यांग व्यक्तियों को समाज में विकास के बराबर अवसर मिले तथा उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने के लिए अवसर मिलता है।

यूथ रेडक्रॉस प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने कहा कि अर्न्तराष्ट्रीय स्तर, राष्ट्रीयस्तर और क्षेत्रीय स्तर पर दिव्यांगजनों के लिए पुनरूद्धार, रोकथाम और बराबरी के अवसर पर जोर देने हम सभी कृत–संकल्पित है। इसके साथ ही हमारे महाविद्यालय में कुछ छात्राएँ विगत वर्षों से अध्ययनरत् है, जो कि न सिर्फ सफलतापूर्वक अध्ययन कर रही है बल्कि विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों में भी बढ़–चढ़कर भाग लेकर पुरस्कार भी प्राप्त करती है।

कार्यक्रम में महाविद्यालय में कार्यरत् कमलेश कुमार साहू का शॉल–श्रीफल से सम्मान किया गया। महाविद्यालय में अध्ययनरत् श्रवण बाधित एवं अस्थि बाधित छात्राओं का भी सम्मान किया गया।

इस अवसर पर नृत्य विभाग की प्राध्यापक डॉ. ऋचा ठाकुर ने दिव्यांग छात्राओं को नृत्य विधा सिखाने के अपने अनुभव बताए तो वहीं चित्रकला विभाग के डॉ. योगेन्द्र त्रिपाठी ने श्रवण बाधित छात्रा के राष्ट्रीय स्तर पर चित्रकला स्पर्धा में प्रतिभागिता एवं पुरस्कृत होने पर इसे उल्लेखनीय बताया। सम्मान पाकर अभिभूत कु. आस्था पाण्डे, फरहीन शेख, अंजना एवं टीनल ने भी अपने विचार प्रस्तुत किये।

सम्मान समारोह के अंत में डॉ. ज्योति भरणे ने आभार व्यक्त किया।

विश्व दिव्यांग दिवस पर किया सम्मान

दिनांक : 03.12.2019

शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

सामाजिक दायित्वों के प्रति जागरूक : 'टीम यूथ रेडक्रॉस'

दिनांक : 19.12.2019

सामाजिक जिम्मेदारी के लिए विभिन्न संगठन एवं व्यक्ति विशेष हमें प्रेरित करते रहते है। मीडिया के जरिए हम इनके अनुकरणीय सद्प्रयासों से परिचित भी होते रहते है।

'सेवा' की कड़ी इसी तरह एक–एक कर जुड़ती जाती है और हम इन पर गर्व करते है। इसी तरह सन् 2017 में शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय की 20 छात्राओं को लेकर 'टीम यूथ रेडक्रॉस' का गठन किया गया। व्हाईट कैप और रेड टी–शर्ट के ड्रेसकोड के साथ चयनित इन छात्राओं को प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने रेडक्रॉस के मूल तत्व, 'स्वास्थ्य, सेवा और मित्रता' की शपथ दिलाई और इस टीम की प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश को 'स्वच्छ दुर्ग–स्वस्थ दुर्ग' के प्रोजेक्ट पर कार्य करने की जिम्मेदारी दी।

डॉ. रेशमा लाकेश के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में इस टीम में अबतक 200 छात्राएँ जुड़ गयी है। जिसमें यूथ रेडक्रॉस की नियमित छात्राओं के साथ ही भूतपूर्व छात्राएँ भी शामिल है।

अपने मिशन ''स्वच्छ दुर्ग–स्वस्थ दुर्ग' के लिए इन्होनें बच्चों, महिलाओं और वृद्धजन को टारगेट ग्रुप बनाया। क्योंकि इनका मानना है कि इन्हें विशेष ध्यान की आवश्यकता है। जैसे नवजात शिशु, शारीरिक एवं मानसिक रूप से कमजोर बालक, बालिकाएँ।

सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़ी महिलाएँ, स्वास्थ्य की दृष्टि से कमजोर और परिवार से दूर वृद्धजन हैं।

इस टीम ने इन पर कार्य करने के लिए दुर्ग शहर के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों की 100 आंगनबाड़ी केन्द्रो, दिव्यांग बच्चों के विशेष स्कूल, वृद्धाश्रम को शामिल किया।

इन आंगनबाड़ी केन्द्रो, स्कूल और वृद्धाश्रम से टीम ने 'एमओयू' के माध्यम से जुड़कर इन्हें अपना कार्यस्थल बनाया।

छात्राओं की टीम ने शिक्षण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से आवश्यक जीवन कौशल, व्यक्तिगत स्वास्थ्य एवं स्वच्छता तथा सुरक्षा, पर फोकस किया वहीं संतुलित आहार, योग, व्यायाम, गीत–संगीत–नृत्य, खेलकूद के माध्यम से जुड़कर उनमें उत्साह का संचार किया। उन्होनें समाज को मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास किया।

आंगनबाड़ी केन्द्रों में सतत् रूप से जाकर बच्चों को खेल–खेल में पढ़ाई और स्वच्छता के लिए प्रशिक्षण पर जोर दिया तो महिलाओं को अपने स्वास्थ्य के लिए जागरूक रहने, संतुलित आहार लेने तथा कौशल विकास के गुर सिखाए जिससे वे आत्मनिर्भर बन सके।

दिव्यांग बच्चों के साथ रहकर उनके प्रोत्साहन एवं उत्साहवर्धन के लिए गीत–संगीत–नृत्य के माध्यम से सार्थक प्रयास किए।

वृद्धाश्रम में पहुंचकर उनके साथ त्यौहार की खुशियां बांटी तो उनके साथ अनुभव सांझा किए और कहानियाँ भी सुनी।

स्वास्थ्य के लिए तथा स्वच्छता के लिए प्रेरित किया और दिनचर्या को सुव्यवस्थित करने एवं गीत संगीत के माध्यम से प्रफुल्लित रहने की कला पर जोर दिया।

रंगोली और अल्पना के माध्यम से त्योहारों की खुशियाँ भी बांटी।

शहर के झुग्गी बस्तियों तथा ग्रामीण इलाकों में सामाजिक सरोकार के तहत विभिन्न व्यसनों, नशा खोरी, घरेलू हिंसा और अपराधों के प्रति जागरूक करने अभियान चलाया। पोस्टर प्रदर्शनी, फिल्म शो, रैली, नुक्कड़ नाटक के माध्यम से नशा उन्मुलन, डेंगू के खतरे से बचाव, एड्स मुक्त विश्व, बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओं विषयों पर मिशन चलाया।

केवल बात ही नहीं प्रयासों की सार्थकता पर 'फीडबैक' के माध्यम से भी जायजा लिया और कार्ययोजना को दुरस्त किया।

इस मिशन की निर्देशक एवं प्राध्यापक डॉ. रेशमा लाकेश का टीम की छात्राओं के साथ लगाव एवं हाथ से हाथ मिलाकर मेहनत का संदेश ने इस मिशन को बड़ी–बड़ी सफलताएँ दी है।

टीम यूथ रेडक्रॉस की छात्राओं ने भी इस मिशन से बहुत कुछ पाया है। सामाजिक सरोकार के तहत अपने दायित्वों का बोध हुआ वहीं उनके अनुभव दिल को छू लेने वाले मर्मस्पर्शी भी रहे है।

नयनदीप विद्या मंदिर और स्नेहसंपदा विद्यालय में छात्राओं ने बच्चों के साथ संगीत–नृत्य, चित्रकला विधा को सांझा किया वहीं अंग्रेजी ज्ञान एवं कौशल विकास के कार्यक्रमों के द्वारा उनके अंदर उमंग और उत्साह का संचार किया जो प्रेरणादायी रहा है।

नियमित छात्राओं के साथ भूतपूर्व छात्राओं ने भी, जो वर्तमान में सेवारत है तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों से जुड़ी है, भी बिना किसी आर्थिक सहयोग एवं अनुदान के कार्य कर रही है।

अन्तर्राष्ट्रीय बॉडी बिल्डर निशा भोयर ने भी टीम को प्रोत्साहित कर सहयोग दिया।

इस 'स्वच्छ दुर्ग–स्वस्थ्य दुर्ग' मिशन को लेकर डॉ. रेशमा लाकेश का कहना है कि यह मिशन निरंतर चलता रहेगा क्योंकि यह श्रृंखला अभी और बड़ी करनी है जिसका विस्तार पूरा संभाग तक हो यह इच्छा है।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने टीम यूथ रेडक्रॉस की इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा है कि यह गौरवशाली मिशन है जिसने हमारी शिक्षा को सार्थक किया है।

शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

सामाजिक दायित्वों के प्रति जागरूक : 'टीम यूथ रेडक्रॉस'

दिनांक : 19.12.2019

ABCDEI
PQRSTUVWXY

में माह के तृतीय शुक्रवार को नियमि
टीकाकरण कि

शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

रेडरिबन क्लब का पुरस्कार वितरण समारोह

दिनांक : 23.12.2019

शासकीय डॉ. वा. वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में राज्य एड्स नियंत्रण समिति के तत्वाधान में विश्व एड्स दिवस के अवसर पर आयोजित रेड रिबन क्लब की विविभन्न प्रतियोगिताओं की प्रतिभागी छात्राओं को पुरस्कार दिए गए।

समारोह में डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि राज्य एड्स नियंत्रण समिति ने महाविद्यालय स्तर पर भाषण, वाद–विवाद, निबंध और रंगोली प्रतियोगिताएँ आयोजित की गयी थी। इस प्रतियोगिता में

भाषण में – कु. प्रगति, आरती यादव।

पोस्टर प्रतियोगिता में – कु. केकती, कु. युक्ति, कु. सिमरन, कु. सोनम, कु. मनीषा गुप्ता

निबंध में – कु. यामिनी साहू, कु. अन्नु अंबालिकर, कु. डी. ऊषा, कु. शिवकली,

स्लोगन– नारा लेखन में – कु. अमरिका सेन, प्रिया मानिकपुरी, ममता, श्वेता, मानसी, निकिता साहू आदि छात्राओं को नगद पुरस्कार प्रदान किए गए।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने इस अवसर पर कहा कि एड्स मुक्त विश्व अभियान के अंतर्गत महाविद्यालय की यूथ रेडक्रॉस एवं रेडरिबन क्लब के वर्षभर विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की गयी।

रैली एवं नुक्कड़ नाकट ने अच्छा खासा प्रभाव छोड़ा जो प्रसंशनीय है।

महाविद्यालय की रेडरिबन क्लब की गतिविधियों के लिए 1 दिसंबर को नई दिल्ली में पुरस्कृत भी किया गया।

डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि टीम यूथ रेडक्रॉस में 200 छात्राएँ शामिल है जो जनजागरूकता एवं स्वच्छता स्वास्थ्य के लिए कार्य कर रही है।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. अनुजा चौहान ने किया तथा आभार प्रदर्शन डॉ. लता मेश्राम ने किया।

रेडरिबन क्लब का पुरस्कार वितरण समारोह

दिनांक : 23.12.2019

शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

''जानकारी ही कैंसर से बचाव का माध्यम है – डॉ. अर्पण''

दिनांक : 05.02.2020

शास. डॉ. वा. वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर जागरुकता व्याख्यान माला का आयोजन किया गया।

महाविद्यालय की यूथ रेडक्रॉस ईकाई के तत्वाधान में आयोजित कार्यक्रम में संजीवनी कैंसर हास्पीटल रायपुर के वरिष्ठ कैंसर सर्जन डॉ. अर्पण चतुरमोहता एवं रक्त रोग विशेषज्ञ डॉ. अम्बरगर्ग द्वारा छात्राओं को कैंसर रोग के संबंध में विस्तृत जानकारी दी।

डॉ. अर्पण चतुरमोहता ने बताया की आजकल दिनचर्या में बदलाव के कारण कैंसर रोग बहुत जादा देखने को मिल रहा है। खासकर महिलाओं में स्तन कैंसर के मरीज की संख्या बड़ी है।

जिसका मुख्य कारण मोटापा, आलस्य जीवन, बच्चो को दूध ना पिलाना, बांझपन है।

आज आधुनिक मशीनो की मदद से 80 प्रतिशत स्तन कैंसर में फ्राजन सेक्सन मशीन की सहायता से स्तन बचाया जा सकता है।

डॉ. अर्पण ने बताया की जेनेटीक टेस्ट से पता चल सकता है कि मरीज को कीमोथेरेपी की जरुरत है या नही। पेट सीटीस्कैन से देखा जा सकता है कि कैंसर कौन से स्टेज में है और कैसे ईलाज किया जा सकता है।

रक्त रोग विशेषज्ञ डॉ. अम्बरगर्ग ने बताया की ऐनीमिया जनसंधारण में विशेषकर महिलाओं में बहुत अधिक मात्रा में पायी जाती है। खून की कमी के कारण जैसे आयरन बिटामीन की कमी रक्त रोगो को जन्मदेती है।

उन्होने बताया की ऐनीमिया का बचाव संतुलित भोजन से संभव है। इसके लिये आयरन युक्त भोजन, हरि सब्जिया, केला, अनार, गुड़ का सेवन करना चाहिए इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा की यूथ रेडक्रॉस की छात्राओं को आज के इस जानकारी युक्त व्याख्यान से प्राप्त जानकारी से कैंसर रोग के संबंध में जागरुकता के लिये प्रयास किये जाने चाहिये।

जागरुकता ही इस रोग के बचाव का सबसे बड़ा माध्यम है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रेश्मा लाकेश ने किया तथा आभार प्रदर्शन डॉ. अनुजा चौहान ने किया। इस अवसर पर प्राध्यापक, छात्राऐं बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

''जानकारी ही कैंसर से बचाव का माध्यम है – डॉ. अर्पण''

दिनांक : 05.02.2020

शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

''हेल्थ चेकअप कैंप आयोजित''

दिनांक : 07.02.2020

शासकीय डॉ. वा. वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में यूथरेडक्रॉस एवं मेडिकल सेन्टर के तत्वाधान में ''हेल्थ चेकअप कैंप का आयोजन किया गया।

महाविद्यालय के शिक्षकों एवं कर्मचारियों का स्वास्थ्य परीक्षण नियमित रूप से करने की पहल महाविद्यालय ने की है। इसके तहत महाविद्यालय द्वारा विभिन्न हॉस्पिटल्स एवं पैथोलॉजी सेन्टर से एमओयू किया है।

प्रभारी प्राध्यापक डॉ. रेशमा लाकेश ने जानकारी देते हुए बताया कि स्वास्थ्य–जागरूकता एवं बेहतर जीवनशैली अभियान के अंतर्गत यूथ रेडक्रॉस इकाई ने महाविद्यालय की छात्राओं, शिक्षकों एवं कर्मचारियों के लिए हेल्थ चेकअप कैंप आयोजित किया।

स्पर्श मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल भिलाई के सहयोग से आयोजित कैम्प में ब्लड शुगर, एवं ब्लडप्रेशर की जांच की गयी। स्पर्श हॉस्पिटल के सहायक प्रबंधक अनुभव जैन ने बताया कि सामाजिक सरोकार के तहत इस तरह के कैंप विभिन्न संस्थाओं में लगाए जाते है।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने इस अवसर पर कहा कि मधुमेह एवं रक्तचॉप की नियमित रूप से जांच से हम विभिन्न खतरों से बच सकते है। महाविद्यालय के शिक्षकों एवं कर्मचारियों का स्वास्थ्य परीक्षण नियमित रूप से हो तथा महाविद्यालय की छात्राओं को स्वास्थ्य जागरूकता के लिए प्रशिक्षित करना यूथरेडक्रॉस एवं महाविद्यालय के मेडिकल सेन्टर का मुख्य उद्देश्य है।

उल्लेखनीय है कि विगत दिनों ग्राम कोड़िया में आयोजित महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर में भी मेगाहेल्थ कैम्प का आयोजन किया गया था जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों को चिकित्सीय परामर्श एवं निःशुल्क औषधियों का वितरण किया गया।

इस अवसर पर स्पर्श हॉस्पिटल के श्री आलेकेश चटर्जी, पी.राव, कु. वीनू एवं कु. पुष्पा साहू ने सहभागिता दी। बड़ी संख्या में छात्राओं ने तथा स्टॉफ ने अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराया।

शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर त्रिवेणी सम्मान समारोह

दिनांक : 28.02.2020

शासकीय डॉ. वा. वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर त्रिवेणी सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

महाविद्यालय में वर्षभर स्वास्थ्य–स्वच्छता और सेवा के लिए समर्पित तीन इकाईयाँ, यूथरेडक्रॉस, ग्रीन आर्मी और एक्वाक्लब के स्वयं सेवकों को उल्लेखनीय कार्य के लिए सम्मानित किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने बताया कि यूनिसेफ और विश्व स्वास्थ्य संगठन के द्वारा जारी निर्देशों, पर्यावरण मंत्रालय एवं वाइल्ड लाइफ से जुड़ी संस्थाओं के जागरूकता अभियानों तथा जल संरक्षण के उपायों पर सत्रभर महाविद्यालय की तीनों इकाईयों ने अभियान चलाया और जमीन स्तर पर कार्यक्रमों का संचालन किया है।

ग्रामीण अंचल में जाकर स्वच्छता और स्वास्थ्य जागरण की मुहिम चलाई तो जल संरक्षण की दिशा में वैज्ञानिक तथ्यों के साथ जल परीक्षण और मृदा परीक्षण के प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए है। आज उन छात्राओं को पुरस्कृत करते हुए गर्व हो रहा है।

प्रोफेसर रेशमा लाकेश ने विज्ञान के क्षेत्र में महिलाओं की महती भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होनें कहा कि अंतरिक्ष विज्ञान से लेकर सैन्य विज्ञान और औद्योगिक क्रांति में महिलाओं ने वर्चस्व कायम रखा है।

महाविद्यालयीन छात्राओं को विज्ञान के क्षेत्र में केवल किताबों और प्रयोगशालाओं तक सीमित न कर हमने त्रिवेणी के माध्यम से आम जन तक जोड़ने का, सीखने का अवसर दिया है।

रसायनशास्त्र की प्राध्यापक डॉ. सुनीता गुप्ता ने जल ही जीवन का महत्व बतलाते हुए कहा कि जल संरक्षण एवं संवर्धन आज विश्व की सबसे बड़ी आवश्यकता है। बूंद–बूंद जल को बचाना और जल का बेहतर उपयोग करना तो आवश्यक है ही बल्कि जल स्त्रोतों को सुरक्षित रखना और उनको प्रदूषण रहित रखना भी हमारी जवाबदारी है।

अर्थशास्त्र की प्राध्यापक एवं ग्रीन आर्मी की संयोजक डॉ. मुक्ता बाखला ने बढ़ते औद्योगिक विस्तार और क्रंकटीकरण की चर्चा करते हुए पौधे लगाने एवं उन्हें बचाने पर जोर दिया। उन्होनें कहा कि सब स्वच्छ एवं शुद्ध पर्यावरण की चाह रखते है।

हमें शुद्ध हवा भी चाहिए इसके लिए मोहल्ले से लेकर शहर–गाँव तक हम पर्यावरण संरक्षण पर सार्थक कार्य करें।

इस अवसर पर महाविद्यालय की पूर्व छात्रा निशा भोयर एवं राष्ट्रीय सेवा योजना की सक्रिय छात्रा कु. रूचि शर्मा ने भी विभिन्न विज्ञान परक गतिविधियों की चर्चा करते हुए अपनी योजनाओं की जानकारी दी। सत्र भर उत्कृष्ट कार्य करने वाली छात्राओं को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. अनुजा चौहान ने किया तथा आभार प्रदर्शन डॉ. लता मेश्राम ने किया। इस अवसर पर प्राध्यापक, छात्रायें बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में गर्ल्स कॉलेज की छात्राओं ने बाजी मारी

दिनांक : 27.08.2020

छत्तीसगढ़ राज्य एड्स नियंत्रण काउंसिल के तत्वाधान में रेड रिबन क्लब छत्तीसगढ़ इकाई के द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर 'यूथ एंगेजमेन्ट फॉर ग्लोबल एक्शन' के तहत विभिन्न प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई। कोविड के कारण वर्चुअल प्रतियोगिताएँ करायी गयी। जिसमें प्रदेश के 243 छात्र–छात्राओं ने सहभागिता दी।

यूथ रेडक्रॉस इकाई की प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि चार श्रेणी में ये प्रतियोगिताएँ हुई जिसमें मॉस्क डिजाईनिंग, पेंटिंग, शार्ट विडियो एवं एनीमेशन से संबंधित थी। गर्ल्स कॉलेज की छात्राओं ने इन प्रतियोगिताओं में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

मॉस्क डिजाईनिंग में बी.एससी. गृहविज्ञान की कु. आरती यादव ने तथा एनीमेशन से संबंधित प्रतियोगिता में बी.एससी. भाग–2 की निकिता साहू ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया।

दोनों छात्राओं की इस उपलब्धि पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने तथा प्राध्यापकों ने बधाई दी है। रेडरिबन की गतिविधियों में उल्लेखनीय भूमिका के लिए गर्ल्स कॉलेज इकाई को राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत किया जा चुका है।

कु. आरती यादव

कु. निकिता साहू

मॉस्क डिजाईनिंग

एनीमेशन

शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

ऑनलाईन काउन्सलिंग आयोजित

विद्यार्थियों के कॅरियर का महत्वूपर्ण दौर है :– डॉ. शमा हमदानी

दिनांक : 07.09.2020

शासकीय डॉ.वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग के यूथ रेडक्रॉस के तत्वाधान में छात्राओं के लिए ऑनलाईन काउंसिलिंग आयोजित की गयी।

वर्तमान परिस्थितियों में विद्यार्थियों/युवा वर्ग में व्याप्त चिंता, असुरक्षा, निराशा एवं अनिश्चितता को देखते हुए उन्हें उचित मार्गदर्शन प्रदान करने काउंसिलिंग सत्र का आयोजन किया गया।

प्रभारी प्राध्यापक डॉ. रेशमा लाकेश ने जानकारी देते हुए बताया कि इस वैश्विक महामारी के संक्रमण काल में हमारे विद्यार्थियों के बीच जो अनिश्चितता एवं भय का वातावरण बन गया है जिससे उनमें क्रोध एवं चिड़िचिड़ापन आ गया है। जब हम कठिन समय से गुजरते है तो इन समस्याओं से मुकाबला करने के लिए हिम्मत और साहस–धैर्य की आवश्यकता पड़ती है। यदि उचित मार्गदर्शन मिल जाए तो सफलता सुनिश्चित हो जाती है।

इस काउंसिलिंग सत्र में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने छात्राओं को हिम्मत और साहस के साथ विषम परिस्थितियों का मुकाबला करते हुए अपने परिवार का भी ध्यान रखने को कहा।

विषय–विशेषज्ञ एवं काउंसलर डॉ. शमा हमदानी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह विद्यार्थियों के कॅरियर का महत्वपूर्ण दौर है यहाँ निराश नहीं होना है।

उन्होनें विभिन्न समस्याओं के समाधान बताते हुए कहा कि परिवार के साथ समय बिताये तथा अपनी समस्याओं को शेयर करें।

अपने मानसिक स्वास्थ्य को उचित महत्व दें। यदि आवश्यक हो तो काउंसलर या अपने शिक्षक से अपनी समस्याओं को सांझा करे और मार्गदर्शन ले। महाविद्यालय की छात्रा पायल साहू ने ऑनलाईन कक्षाओं को लेकर अपनी चिंता बताई। बीएससी की छात्रा आरती यादव ने परीक्षा से संबंधित प्रश्न किए। जया पाण्डेय ने काउंसलर से पूछा कि घर पर रहकर समय का सार्थक उपयोग कैसे करें।

अधिकांश छात्राओं ने कहा सबसे बड़ी समस्या घर इतने लंबे समय से रहने पर बोर लगता है इसके समाधान में एक्सपर्ट ने अनेक रूचिकर उपाय बताए। इस काउंसिलिंग सत्र में अभिभावकों ने भी भगीदारी की।

अधिवक्ता शकील सिद्दकी ने इस सत्र के लिए बधाई देते हुए इसे महत्वपूर्ण बताया। उन्होनें कहा कि हम सभी अपने बच्चों को लेकर चिंतित है। उनके कॅरियर की चिंता हमें भी परेशान करती है। काउंसलर ने उन्होनें धैर्य और साहस के साथ अपने एवं बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य के लिए जागरूक रहने की सलाह दी एवं टिप्स दिए।

डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण जानकारियों एवं मार्गदर्शन से संबंधित विडियो एवं जानकारी महाविद्यालय की वेबसाईट में भी उपलब्ध करायी गयी है। महाविद्यालय द्वारा नियमित रूप से विभिन्न ऑनलाईन प्रतियोगिताएँ भी आयोजित की जा रही है। काउंसिलिंग सत्र में महाविद्यालय के प्राध्यापकों ने भी हिस्सा लिया।

शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

ऑनलाईन काउन्सलिंग आयोजित

विद्यार्थियों के कॅरियर का महत्वूपर्ण दौर है :– डॉ. शमा हमदानी

दिनांक : 07.09.2020

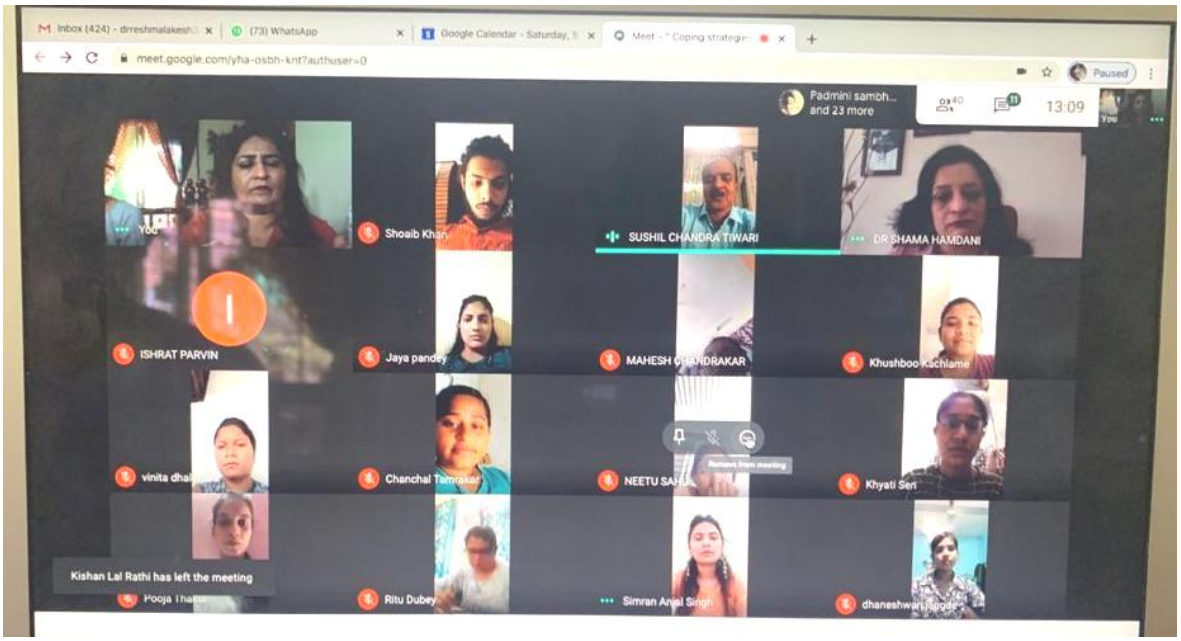

शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

रेडरिबन क्लब द्वारा ऑनलाईन प्रतियोगिताएं आयोजित

दिनांक : 19.12.2020

शासकीय डा. वा. वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग के रेडरिबन क्लब के तत्वाधान में एड्स जागरूकता और स्वास्थ्य सुरक्षा पर विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गयी।

यूथ रेडक्रॉस की प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने जानकारी देते हुए बताया कि एड्स जागरूकता अभियान के लिए महाविद्यालय की इकाई को विगत सत्र में राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हुआ था। इस वर्ष यूथ रेडक्रॉस इकाई द्वारा बनाई गई शार्ट विडियो फिल्म की सराहना हुई है जिसके लिए कु. सोनम सेन को पुरस्कृत किया गया।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने विजयी प्रतिभागी छात्राओं को प्रमाण पत्र दिए।

निबंध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कु. आंचल कन्नौजे रही, द्वितीय एवं तृतीस स्थान पर ऐनी धृतलहरे एवं श्रेया पाण्डेय रही।

पोस्टर प्रतियोगिता में कु. रिया बरले प्रथम कु. रोशनी द्वितीय एवं मनीषा गुप्ता तृतीय स्थान पर रही।

स्लोगन प्रतियोगिता में खुश्बू कश्यप प्रथम कु. प्रज्ञा मिश्रा द्वितीय एवं कु. गीतांजली साहू तृतीय स्थान पर रही।

जीआईएफ पर कु. निकिता साहू प्रथम, आरती यादव द्वितीय एवं महिमा चटर्जी को तृतीय स्थान मिला। सभी छात्राओं को पुरस्कृत किया गया।